विषय-वस्तु

संक्षेपाक्षर **xix**

वार्षिक रिपोर्ट 2021–22

1. सुधार की दिशा में बढ़ती अर्थव्यवस्था **3**
- 1.1 सुधार की राह 3
- 1.2 निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदम 5
- 1.3 मुद्रा स्फीति का दबाव 6
- 1.4 तेज गति से प्रगति के लिए तैयार 7

2. प्रगति की ओर ग्रामीण क्षेत्र **9**
- 2.1 रिकॉर्ड कृषि उत्पादन 9
- 2.2 मजबूत संबद्ध क्षेत्र की गतिविधियों के माध्यम से वृद्धि को गति देना 10
- 2.3 निविष्टि लागत की तुलना न्यूनतम समर्थन मूल्य से करना : भारतीय किसानों द्वारा मूल्य प्राप्ति 10
- 2.4 मजबूत मूल्य शृंखलाओं के माध्यम से बेहतर मूल्य प्राप्ति 13
- 2.5 कृषि ऋण में वृद्धि 13
- 2.6 कृषि-निर्यातों को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाना 14
- 2.7 ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना: नीतिगत समर्थन 16
- 2.8 उज्ज्वल भविष्य की ओर 18

3. धरती से सोना उगाती भारतीय कृषि **19**
- 3.1 बागबानी 20
- 3.2 फसलें,पशु और एकीकृत खेती 22
- 3.3 प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता 24
- 3.4 संस्थाएं और आधारभूत संरचना 27
- 3.5 कृषि का भविष्य प्रौद्योगिकी और संस्थाओं से निर्धारित होगा 29
- अध्याय 3 का अनुबंध 31

4. संधारणीय विकास के लिए हमारे प्रयास **33**
- 4.1 जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान 34
- 4.2 वाटरशेड विकास के लिए सहायता 36
- 4.3 अवनत मिट्टी का पुनः पोषण 37
- 4.4 जनजातीय परिवारों के लिए आजीविका के प्रयास 39
- 4.5 संधारणीय पौष्टिक आहार — कदन्न की खेती 39
- 4.6 संधारणीय कृषि क्षेत्र का संवर्धन 40
- 4.7 प्रकृति से सामंजस्य 40
- अध्याय 4 का अनुबंध 42

5. बेहतर आजीविका की ओर **45**
- 5.1 आजीविका संबंधी विशेष प्रयास 45
- 5.2 अन्य महत्वपूर्ण पहलें 49
- 5.3 वित्तीय समावेशन 50
- 5.4 बेहतर आजीविकाओं के लिए वित्तीय समावेशन 52

6. नया भारत और ग्रामीण आधारभूत संरचनाएँ **55**

6.1 नई आवश्यकताएँ और हमारे प्रयास 55
6.2 कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र के लिए आधारभूत संरचना 58
6.3 ग्रामीण कनेक्टिविटी के लिए आधारभूत संरचना 62
6.4 फ़सलोत्तर आधारभूत संरचना 62
6.5 गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए आधारभूत संरचना 64
6.6 बेहतर भविष्य के लिए आधारभूत संरचनाओं का आधुनिकीकरण 66

7. नाबार्ड की पर्यवेक्षकीय भूमिका **67**

7.1 सर्वांगीण और मूल्य-वर्धित पर्यवेक्षण 69
7.2 वित्तीय वर्ष 2022 में पर्यवेक्षकीय गतिविधियाँ 71
7.3 उपलब्धि >> परिणाम >> प्रभाव 72
7.4 बैंककारी विनियमन अधिनियम में संशोधन: नए प्रतिमानों को आकार देना 72
7.5 पर्यवेक्षण के माध्यम से ग्रामीण वित्तीय संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण 72
अध्याय 7 के अनुबंध 74

8. ग्रामीण वित्तीय संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण **81**

8.1 ग्रामीण सहकारी बैंकिंग 81
8.2 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 83
8.3 ग्रामीण समृद्धि के लिए सुदृढ़ ऋण संस्थाएं 84
अध्याय 8 के अनुबंध 86

9. आधार स्तरीय संस्थाओं को सुदृढ़ करना **99**

9.1 अनौपचारिक संस्थान 99
9.2 औपचारिक संस्थाएं 103
9.3 ग्रामीण उद्यमियों और स्टार्ट-अप को सहायता 107
9.4 विकास की संवाहक के रूप में सामुदायिक संस्थाएँ 107

10. कृषि और ग्रामीण विकास का वित्तपोषण **109**

10.1 आधारस्तरीय संस्थाओं के लिए ऋण 109
10.2 वित्तीय वर्ष 2022 में पुनर्वित्त 110
10.3 ग्रामीण आधारभूत संरचना का वित्तपोषण 114
10.4 अन्य ऋण उत्पाद 117
10.5 भारत सरकार की योजनाओं की चैनलिंग 117
10.6 ग्रामीण ऋण से समृद्धि 119
अध्याय 10 के अनुबंध 121

11. निधियाँ-उपयोग और विकास **123**

11.1 निधियों के स्रोत 123
11.2 निधियों का उपयोग 126
11.3 आय और व्यय 128
11.4 अन्य कंपनियों में नाबार्ड की हिस्सेदारी 129
अध्याय 11 के अनुबंध 131

12. हम@नाबार्ड **133**

12.1 प्रबंधन और प्रशासन 133
12.2 सांविधिक/पारदर्शिता संबंधी गतिविधियां 135
12.3 व्यक्ति और स्थानों का प्रबंधन 136
12.4 अनुसंधान और सूचना प्रसार 140

12.5 सूचना प्रौद्योगिकी पहलें 140
12.6 जोखिम प्रबंधन पहलें 141
12.7 निरीक्षण 142
12.8 कॉर्पोरेट संचार पहलें 142
12.9 नाबार्ड का विस्तार - सात सहायक संस्थाएं 142
12.10 नाबार्ड, एक पसंदीदा कार्य स्थल 143
12.11 संगठन की भावी दिशा 143
अध्याय 12 के अनुबंध 144

वार्षिक लेखे 2021-22
तुलन-पत्र
नाबार्ड का लाभ और हानि लेखा और नकदी प्रवाह 2021-22

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 149
स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध 1 152
अनुसूची 18 172

वार्षिक लेखे 2021-22
समेकित तुलन पत्र
नाबार्ड और सहायक संस्थाओं का लाभ और हानि लेखा तथा नकदी प्रवाह 2021-22
(नैबकिसान, नैबसमृद्धि, नैबफिंस, नैबकॉन्स, नैबवेंचर्स, नैबफ़ाउंडेशन, और नैबसंरक्षण)

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 199
स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध 1 202
अनुसूची 18 221

नाबार्ड प्रधान कार्यालय, मुंबई के विभागों और सहायक संस्थाओं के ई-मेल पते 234

क्षेत्रीय कार्यालय/कक्ष/प्रशिक्षण संस्थान/ सहायक संस्थाएँ 235

तालिका

2.1 उत्पादन की लागत और एमएसपी में वृद्धि 11

अ3.1 सफलता की अन्य कहानियाँ 31

5.1 प्रदत्त कौशल और संबद्ध ज्ञान साझेदार 48

6.1 सामाजिक क्षेत्र से संबंधित आधारभूत संरचना के लिए विकास निधि सहायता 64

8.1 वित्तीय वर्ष 2022 में सहकारिता विकास निधि से संवितरण 82
अ8.1 एसटीसीबी का समेकित तुलन-पत्र 86
अ8.2 एसटीसीबी की लाभप्रदता 87
अ8.3 एसटीसीबी की आस्ति गुणवत्ता 87
अ8.4 एसटीसीबी की लागत और मार्जिन 87
अ8.5 अपर्याप्त पूंजी वाले जिमस बैंकों का राज्य-वार वितरण 90
अ8.6 डीसीसीबी का समेकित तुलन-पत्र 91
अ8.7 डीसीसीबी की आस्ति गुणवत्ता 92

अ8.8	डीसीसीबी की लाभप्रदता	92
अ8.9	डीसीसीबी की लागतें और मार्जिन	92
अ8.10	एससीएआरडीबी की देयताएँ और आस्तियाँ	93
अ8.11	एससीएआरडीबी का वित्तीय कार्यनिष्पादन	94
अ8.12	एससीएआरडीबी की आस्तियों की गुणवत्ता	95
अ8.13	पीसीएआरडीबी से संबन्धित महत्वपूर्ण वित्तीय मापदंड	95
अ8.14	आरआरबी का समेकित तुलन-पत्र	96
अ8.15	आरआरबी का वित्तीय कार्यनिष्पादन	96
अ8.16	आरआरबी की लागतें और मार्जिन	97
10.1	महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना निधियों की मंजूरी और संवितरण	114
10.2	केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित और नाबार्ड द्वारा प्रशासित / संचालित योजनाएँ	118
10.3	31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार पूंजी सब्सिडी योजनाओं के तहत कार्यनिष्पादन	118
11.1	वेंचर कैपिटल निधियों में निवेश	130
अ11.1	निधियों के स्रोत	131
अ11.2	निधियों का उपयोग	132
अ12.1	नाबार्ड की सहायक संस्थाएं	144

चित्र

1.1	2011-12 के मूल्यों पर भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विकास का रुझान	3
1.2	भारत में वार्षिक औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का रुझान	6
1.3	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (विव 2022)	6
2.1	स्थिर कीमतों पर कृषि और संबद्ध क्षेत्र की जीवीए वृद्धि (2011-12 शृंखला)	9
2.2	कृषि उत्पादन	10
2.3	न्यूनतम समर्थन मूल्य के प्रतिशत के रूप में बाजार मूल्य	12
2.4	कृषि ऋण संवितरण	13
2.5	कुल कृषि ऋण में सावधि ऋण का बैंक-वर्ग वार हिस्सा (%)	13
2.6	कुल ग्रामीण ऋण में औपचारिक/संस्थागत ऋण का राज्य-वार प्रतिशत हिस्सा (वित्तीय वर्ष 2019)	14
2.7	वित्तीय वर्ष 2022 में कृषि निर्यातों में ऐतिहासिक वृद्धि	16
3.1	भारतीय कृषि – समस्याओं को समझना, समाधानों के लिए रणनीति बनाना	20
4.1	नाबार्ड ने जलवायु परिवर्तन परियोजनाओं के निधीयन में मध्यस्थता की (या पहल की)	34
4.2	आरआईडीएफ़ के तहत वित्तीय वर्ष 2022 में वित्तपोषित पर्यावरणीय आधारभूत संरचनाएँ	35
4.3	विव 2022 में कृषि क्षेत्र में संवर्धन	39
5.1	जनजाति विकास निधि (टीडीएफ़) के तहत गैर-वाडी परियोजनाएं	49
5.2	वित्तीय समावेशन निधि के तहत वर्तमान सहयोग	51

6.1	ग्रामीण भारत के लिए नाबार्ड द्वारा प्रबंधित आधारभूत संरचना निधियाँ	56
6.2	सिंचाई आधारभूत संरचना में नाबार्ड का सहयोग	59
6.3	एफ़आईडीएफ़ के अंतर्गत नाबार्ड के कार्य	61
6.4	नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित ग्रामीण सड़क परियोजनाएँ (वित्तीय वर्ष 2022 तक)	62
6.5	वित्तीय वर्ष 2022 में वित्तपोषित नई गतिविधियां	62
6.6	नाबार्ड से सहायता प्राप्त कृषि-भंडारण	63
6.7	नाबार्ड द्वारा सहायता प्राप्त खाद्य प्रसंस्करण आधारभूत संरचनाएं (वित्तीय वर्ष 2022 तक)	63
6.8	वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान ग्रामीण हाट, मार्ट और प्रदर्शनी	64
6.9	नीडा के तहत सामाजिक क्षेत्र की परियोजनाओं के अपेक्षित परिणाम (31 मार्च 2022 तक)	65
7.1	ग्रामीण ऋण संरचना में नाबार्ड द्वारा पर्यवेक्षित संस्थाएं	68
7.2	नाबार्ड द्वारा किए जाने वाले पर्यवेक्षण के उद्देश्य	69
7.3	साइबर – सुरक्षा सूचना प्रौद्योगिकी जांच कक्ष की गतिविधियाँ	69
7.4	नाबार्ड का 360° पर्यवेक्षण	70
7.5	नाबार्ड का 'पर्यवेक्षण प्लस दृष्टिकोण'	71
अ7.1	पर्यवेक्षकीय ढांचे के महत्वपूर्ण पड़ाव और विकास	74
अ7.2	वित्तीय वर्ष 2022 में निरीक्षण (31 मार्च 2021 की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में)	76
अ7.3	वित्तीय वर्ष 2022 में पर्यवेक्षित संस्थाओं द्वारा अनुपालन की स्थिति	76
अ7.4	कार्यनिष्पादक संकेतकों के अनुसार बैंकों की संख्या (31 मार्च की स्थिति के अनुसार)	78
अ7.5	रेटिंग के अनुसार बैंकों की संख्या (31 मार्च की स्थिति के अनुसार)	79
8.1	वित्तीय वर्ष 2020 से वित्तीय वर्ष 2022 तक कृषि क्षेत्र के ऋण प्रवाह में ग्रामीण सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का हिस्सा	81
8.2	वित्तीय वर्ष 2021 में रास बैंकों और जिमस बैंकों के कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें	82
8.3	वित्तीय वर्ष 2021 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का कार्यनिष्पादन	83
8.4	वित्तीय वर्ष 2022 में क्षेग्रा बैंकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ और समीक्षा बैठकों का आयोजन	84
8.5	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए पाँच स्तरीय रणनीति	85
अ8.1	एसटीसीबी का क्षेत्रीय विश्लेषण (वित्तीय वर्ष 2021)	88
अ8.2	डीसीसीबी की पूंजी पर्याप्तता (31 मार्च 2021 की स्थिति के अनुसार)	89
अ8.3	सभी क्षेत्रों में आरआरबी की सकल अनर्जक आस्तियाँ (प्रत्येक वर्ष के 31 मार्च की स्थिति)	97
अ8.4	आरआरबी में महत्वपूर्ण अनुपात	97
9.1	वित्तीय वर्ष 2022 में नाबार्ड द्वारा सहायता प्राप्त एसएचजी की प्रमुख उपलब्धियां	100
9.2	वित्तीय वर्ष 2022 में ईशक्ति की उपलब्धियां	101
9.3	संयुक्त देयता समूहों का विस्तार (वित्तीय वर्ष 2012-2021)	102
10.1	आधार स्तर पर ऋण आवश्यकताओं की विविधता	110
10.2	किसान क्रेडिट कार्ड (31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार)	110
10.3	दीर्घावधि और अल्पावधि पुनर्वित्त सहायता	112
10.4	राज्य-वार दीर्घावधि पुनर्वित्त	113
10.5	राज्य-वार अल्पावधि पुनर्वित्त	113
10.6	वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि का उपयोग	114
10.7	ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि की क्षेत्र-वार मंजूरियाँ	115
10.8	वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान नाबार्ड आधारभूत संरचना सहायता	115

12.1	वित्तीय वर्ष 2022 में प्रशिक्षण	138
12.2	राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय, नाबार्ड का अपना गुरुकुल	139
12.3	नाबार्ड का मीडिया में प्रचार–प्रसार	143

शोकेस

4.1	लेह में कृत्रिम ग्लेशियर बनाकर जल संकट से निपटना	35
4.2	वित्तीय वर्ष 2022 में वाटरशेड और मृदा गुणवत्ता गतिविधियाँ	37
4.3	केएफ़डब्ल्यू मृदा परियोजना के परिणाम और प्रभाव	38
4.4	कदन्न से बड़ी कमाई	39
5.1	आजीविका के साधन के रूप में बकरी पालन	46
5.2	मेरा पैड, मेरा अधिकार	47
5.3	तमिलनाडु में एमईडीपी के प्रभाव का आकलन	48
5.4	मोबाइल प्रदर्शन वैन द्वारा वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन	52
6.1	पूर्वोत्तर में हरित प्रगति के प्रयास	57
6.2	जम्मू और कश्मीर में विकास की बयार	58
6.3	कोलेरून नदी पर नए रेग्यूलेटर का निर्माण	59
6.4	तेलंगाणा सरकार के मिशन भगीरथ को सहयोग	65
9.1	रामलाई हथकरघा उत्पादक संगठन, मिज़ोरम	106
9.2	क्रॉफ़्ट्राइब उत्पादक कंपनी	106
10.1	एग्री-क्लीनिक और एग्री-बिजनेस सेंटर, कनकपुर, गोंडा, उत्तर प्रदेश के लिए एसीएबीसी ऋण	119